केदारनाथ घाटी को सेना का नया प्लान तैयार

सोनप्रयाग से केदारनाथ तक हर दो किलोमीटर पर उतारे जाएंगे जवान

अमर उजाला ब्यूरो

- बदरीनाथ, घांघरिया का भी हवाई सर्वेक्षण पूरा
- सेना ने दो चरणों में बांटा राहत-बचाव कार्य
- 22 जून तक बचाव कार्य हो जाएगा पूरा
- कमांडर जनरल चैत ने खुद संभाली कमान

देहरादून। भारतीय सेना ने बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित केदारनाथ घाटी के लिए नया प्लान तैयार किया है। इसके तहत 20 जून को सेना सोनप्रयाग से केदारनाथ के बीच हर दो किलोमीटर पर तीन जवानों की टुकड़ी उतारेगी।

बुधवार को बदरीनाथ और घांघरिया का भी हवाई सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। यहां सैनिकों की एयर ड्रॉपिंग सेना ने शुरू कर दी है। सेना ने अपने हेलीकाप्टर से बचाव अभियान को दो चरणों में बांट दिया है। पहले चरण में बदरीनाथ क्षेत्र में राहत एवं बचाव कार्य को 21 जून तक पूरा कर लिया जाएगा। दूसरे चरण में केदारनाथ घाटी में सेना को अभियान 22 जून तक पूरा कर लेने की उम्मीद है। इसके तहत 5600 सैनिकों को राहत एवं बचाव कार्य में लगाया जा रहा है। अभियान के पहले चरण के तहत बुधवार को सेना और वायुसेना के 20 हेलीकाप्टर हवाई सर्वेक्षण में जुटे रहे। बताया जा रहा है कि सेना राज्य में फंसे हुए यात्रियों और स्थानीय लोगों को 22 जून तक सभी आपदा प्रभावित क्षेत्रों से बाहर निकाल लेगी। मध्य कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चैत खुद राज्य में बचाव कार्य का निरीक्षण कर रहे हैं।

आपरेशन सूर्य होप का प्रारूप

- 19 जून को बदरीनाथ, केदारनाथ घाटी का हवाई सर्वेक्षण किया पूरा।
- 20 जून को गोविंदघाट, बदरीनाथ, घांघरिया, केदारनाथ, सोनप्रयाग सभी मार्गों पर सैनिकों को उतारा जाएगा।
- खाने का समान आपदा प्रभावितों तक पहुंचाने की कार्रवाई जारी रखी जाएगी।
- 21 जून को बदरीनाथ, हेमकुंड मार्ग में 20 हेलीकाप्टर उठाएंगे यात्रियों को।
- 21 जून को केदारनाथ मार्ग पर फंसे लोगों के समूह तैयार कर लिए जाएंगे।
- 22 जून को सेना, वायुसेना चलाएगी केदारनाथ मार्ग पर व्यापक अभियान।

सेना के मुताबिक अब तक फंसे लोग

- 2800 लोग हर्षिल गंगोत्री क्षेत्र में हैं फंसे।
- 5500 लोगों को केदारनाथ घाटी है निकालना
- 2500 यात्री हेमकुंड और आसपास अब भी फंसे
- 15,000 तीर्थ यात्री बद्रीनाथ क्षेत्र में हैं फंसे